# कपास उद्योग में उत्कृष्ट योगदान के लिए राकेश खत्री सम्मानित

## कर्नाटक के हुबली में ग्लोबल रिसर्च एंड फाउंडेशन ने नेशनल प्रेस्टिज अवार्ड-2006 से नवाजा

मनीष मूंधड़ा / प्रतिदिन अखबार

**धामणगांव रेलवे**- जिले के धामणगांव स्थित खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के संचालक एवं प्रसिद्ध उद्योगपति राकेश छुगाराम खत्री को भारत के वस्त्र एवं कपास उद्योग में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित नेशनल प्रेस्टिज अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है. यह सम्मान ग्लोबल रिसर्च एंड फाउंडेशन अध्यक्ष श्रीधर दावस्कर के द्वारा 30 मई 2026 को कर्नाटक के हुबली स्थित द डेनिसन्स होटल में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया.

### राष्ट्रीय स्तर पर चमके धामणगांव के युवा उद्यमी

राकेश खत्री को कपास उत्पादन एवं जिनिंग उद्योग में उत्कृष्ट कार्य, गुणवत्ता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा उद्योग क्षेत्र में निरंतर योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया. संस्था द्वारा जारी प्रशस्ति पत्र में उन्हें कॉटन मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस एंड इंडस्ट्रियल कंटीन्यूटी के संरक्षक के रूप में उल्लेखित किया गया है.

**वर्ष 2001 से कर रहे हैं उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन का कार्य**

राकेश खत्री वर्ष 2001 से अमरावती जिले में जिनिंग इकाई का संचालन कर रहे हैं. उनकी इकाई में उच्च गुणवत्ता वाली कपास गांठों (कॉटन बेल्स) और कपास बीजों का उत्पादन किया जाता है. गुणवत्ता आधारित उत्पादन और उद्योग में उत्कृष्ट मानकों के कारण उनकी संस्था को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्राप्त हुई है.

उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें पहले भी भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा वर्ष 2013 में फोर स्टार रेटिंग, राष्ट्रीय उद्योग रत्न पुरस्कार तथा भारत विभूषण सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है.

इस कार्यक्रम में राकेश खत्री के साथ उनकी पत्नी सेजल खत्री, पुक्षी रिद्धी खत्री और पुत्र लव्य खत्री भी मौजूद थे. इसके अलावा कार्यक्रम में बालीवुड सेलिब्रिटी के रूप में अमीषा पटेल, अरबाज खान अशनूर कौर, एश्वर्य धवस्कर आदि मौजूद थे.

**मार्गदर्शक सूरज भाई को भी इसी समारोह में मिला पुरस्कार**

राकेश खत्री के लिए यह दोहरी खुशी की बात थी कि उनके मार्गदर्शक व ब्रम्हाकुमारी के हेड सूरज भाई को भी इसी समारोह में पुरस्कार से सम्मानित किया गया. राकेश खत्री ने बरसों पहले ब्रम्हाकुमारी के माऊंटआबू स्थित मुख्य केंद्र में सूरजभाई से मुलाकात की थी. तबसे लेकर आज तक सूरज भाई के विचारों के राकेश खत्री कायल हैं और वे उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं.

**गुणवत्ता और नैतिक मूल्यों के लिए बनी अलग पहचान**

राकेश छुगाराम खत्री केवल एक सफल उद्योगपति ही नहीं, बल्कि सिद्धांतों और व्यावसायिक नैतिकता के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्तित्व हैं. गुणवत्ता के प्रति उनकी निरंतर निष्ठा ने खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज को क्षेत्रीय वस्त्र एवं जिनिंग उद्योग में एक विश्वसनीय और सम्मानित पहचान दिलाई है.

ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन ने उन्हें भारतीय वस्त्र निर्माण क्षेत्र का एक ऐसा स्तंभ बताया, जिसकी पहचान केवल आधुनिक मशीनरी से नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी, उद्योग संस्कृति और पेशेवर समर्पण से निर्मित हुई है.

**15 एकड़ में फैली है खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज**

उल्लेखनीय है कि खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज कंपनी धामणगांव में करीब 15 एकड़ में फैली है. यहां पर 20 स्थायी कर्मचारी काम करते हैं. वहीं सीजन के दौरान 100 अस्थायी कर्मचारियों को रोजगार उपलब्ध करवाया जाता है. इस जिनींग एंड प्रेसिंग इंडस्ट्री में 46 फुली ऑटोमेॉटिक मशीनें लगीं और एक प्रेसिंग मशीन है. यहां पर किसानों से कॉटन खरीदकर कॉटन में से बीज और रई को अलग निकाला जाता है. उसके बाद रूई की गठानों को स्पिनिंग मिलों में भेज दिया जाता है, जहां पर रूप से धागा बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाती है.

**भंगार अवस्था की फैक्ट्री को बनाया आधुनिक औद्योगिक इकाई**

विदर्भ में औद्योगिक पिछड़ेपन की चर्चा अक्सर होती रही है, लेकिन इसी क्षेत्र से युवा उद्योगपति राकेश खत्री ने अपनी दूरदृष्टि और उद्योगशीलता के बल पर एक नई पहचान स्थापित की है. उनकी खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज आज संपूर्ण विदर्भ की पहली ऑनलाइन कॉटन प्रोसेसिंग इंडस्ट्री के रूप में जानी जाती है.

**उद्योग जगत ने दी बधाई**

राकेश छुगाराम खत्री को प्राप्त इस सम्मान पर अमरावती एवं धामणगांव के उद्योग जगत, व्यापारिक संगठनों तथा सामाजिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं. उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि यह सम्मान न केवल राकेश खत्री की उपलब्धि है, बल्कि विदर्भ के कपास और वस्त्र उद्योग के लिए भी गौरव का विषय है.

**विद्याभारती से राकेश खत्री ने किया एमबीए**

राकेश खत्री विगत 25 वर्षों से यानि अपने विद्यार्थी जीवन से ही इस फैक्ट्री को संभाल रहे हैं. उन्होंने अमरावती स्थित विद्याभारती महाविद्यालय से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है.

**25 वर्ष पहले 3 करोड़ का किया निवेश**

लगभग 25 वर्ष पूर्व राकेश खत्री ने वसंतकुमार बिरला ग्रुप की एक बंद और जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी फैक्ट्री को खरीदा था. उस समय उद्योग की मशीनरी पुरानी और अनुपयोगी हो चुकी थी. फैक्ट्री को नए स्वरूप में विकसित करने के लिए उन्होंने करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर अत्याधुनिक और पूर्णतः ऑटोमैटिक मशीनरी स्थापित की.

**उच्च गुणवत्ता की रूई उत्पादन में विशेष पहचान**

खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज की सबसे बड़ी विशेषता उच्च गुणवत्ता वाली रूई का उत्पादन है. उत्पादन प्रक्रिया में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कचरा और अन्य अशुद्धियों को अलग करने हेतु विशेष मशीनें लगाई गई हैं. इसके अलावा उद्योग में अत्याधुनिक प्यूरीफायर और मॉश्चराइजर जैसी आयातित मशीनों का उपयोग किया जाता है, जिससे तैयार उत्पाद की गुणवत्ता राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनी रहती है.

**रोजगार सृजन में भी अहम योगदान**

राकेश खत्री की इस औद्योगिक पहल ने स्थानीय रोजगार को भी नई दिशा दी है. उद्योग में 100 से अधिक श्रमिकों और कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है. इसके साथ ही परिवहन, कृषि एवं अन्य सहायक क्षेत्रों में भी अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बढ़े हैं.

औद्योगिक विशेषज्ञों का मानना है कि खत्री जनरल एंड टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज ने यह साबित किया है कि यदि आधुनिक तकनीक, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और दूरदर्शी नेतृत्व का समन्वय हो तो विदर्भ जैसे क्षेत्र भी औद्योगिक विकास की नई मिसाल कायम कर सकते हैं.

**आधुनिक तकनीक से बढ़ी उत्पादन क्षमता**

उद्योग में स्थापित आधुनिक तकनीक के कारण उत्पादन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. वर्तमान में यह इकाई 400 से अधिक कपास गांठों (कॉटन बेल्स) के उत्पादन की क्षमता रखती है. इससे न केवल स्थानीय स्तर पर कपास प्रसंस्करण को बढ़ावा मिला है, बल्कि क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों को भी बेहतर बाजार उपलब्ध हुआ है.

# मोपेड की टक्कर में बुजुर्ग गंभीर घायल

**टक्कर के बाद कुछ दूरी तक घसीटते रहे घायल, पैर में फ्रैक्चर**

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

**अमरावती.** फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मोपेड की टक्कर से एक बुजुर्ग साइकिल सवार के घायल होने का मामला सामने आया

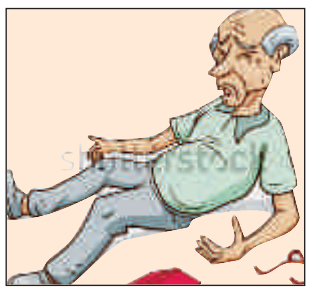

है. दुर्घटना में घायल व्यक्ति के सिर और पैर में चोट आई है तथा पैर में फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता अब्दुल रफीक शेख बुडण (66, छोटी मस्जिद के पास, बिच्छूटेकड़ी) शुक्रवार, 12 जून को शाम को काम खत्म कर एमआईडीसी क्षेत्र से साइकिल से घर लौट रहे थे. शिकायत के अनुसार जब वह फ्रेजरपुरा क्षेत्र के सरदार चौक के पास पहुंचे तभी मुस्लिम कब्रिस्तान की ओर से तेज गति से आ रहे मोपेड क्रमांक एम एच -27- डी वी -5772 ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि साइकिल मोपेड में फंस गई और शिकायतकर्ता कुछ दूरी तक साइकिल सहित सड़क पर घिसटते चले गए. घटना में उनके सिर और पैर में चोट आई. शिकायत में बताया गया है कि दुर्घटना के बाद मोपेड चालक घायल को उठाकर पहले इर्विन अस्पताल लेकर गया. बाद में शिकायतकर्ता के बेटे ने उन्हें सुयश अस्पताल में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने उनके पैर की हड्डी में फ्रैक्चर होने की जानकारी दी. फिलहाल उनका उपचार जारी है. शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर फ्रेजरपुरा पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

**आंगनवाड़ी केंद्र में चोरी**

**तिवसा** - तिवसा थाना क्षेत्र के ग्राम ममदापुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में चोरी की घटना सामने आई है. प्रांजली दिनेश पुनसे (35), आंगनवाड़ी सेविका सहायिका के रूप में कार्यरत हैं. शनिवार के दिन उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र का दरवाजा खुला छोड़कर प्राथमिक स्कूल का दरवाजा खोलने के लिए कुछ समय के लिए वहां से गई थीं. जब वह वापस लौटीं तो पाया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने आंगनवाड़ी केंद्र में रखे सामान पर हाथ साफ कर दिया है. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है.

**बस में 27 ग्राम सोने का मंगलसूत्र उड़ाया**

**अमरावती** -फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र में बस यात्रा के दौरान एक महिला के पर्स से सोने का मंगलसूत्र और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है. शिकायतकर्ता तनुजा ज्ञानेश्वर डोंगरे (52) शुक्रवार को नागपुर के बर्डी क्षेत्र से बस द्वारा अमरावती लौट रही थीं.बैग में रखे पर्स में 27 ग्राम सोने का मंगलसूत्र अमरावती पहुंचने के बाद जब उन्होंने अपना सामान जांचा तो पर्स में रखा सामान गायब मिला. यात्रा के दौरान किसी अज्ञात ने पर्स से कुल 2 लाख का सामान चोरी कर लिया.

# अल नीनो ने रोका मानसून का रास्ता

## परेशानी : विदर्भ के किसानों को करना होगा और कुछ दिनों का इंतजार

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

**अकोला, 14 जून** - इस साल मानसून के उत्तर की ओर बढने के लिए सही माहौल नहीं बन पाया है. इस स्थिति के लिए एल-नीनो जिम्मेदार है. इस वजह से अकोला जिले सहित विदर्भ में मानसून के आगमन में देरी हो रही है. अगले दो दिनों तक जिले में बहुत ज्यादा गर्मी पडेगी और विदर्भ में कई जगहों पर लू चलने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है. इससे खरीफ सीजन का बुवाई कार्य लटकने की आशंका से किसानों की चिंता बढ गई है. जिले में अधिकांश खेती मुख्य रूप से मानसून पर निर्भर है. लेकिन इस साल जून महीने की 12 तारीख गुजर जाने के बाद भी जिले में बारिश की संभावना नजर नहीं आ रही. इससे किसान आसमान की ओर टकटकी लगाने के लिए मजबूर हो गए है.

इस साल एल-नीनो की वजह से औसत से कम बारिश का अनुमान लगाया गया है. मौसम विभाग के अनुसार इस साल मानसून कोंकण में देर से पहुंचा. उसके बाद आगे बढने

में देरी हुई है. इसके लिए एल-नीनो जिम्मेदार है. एल-नीनो की वजह से हिंद महासागर और अरब सागर से नमी वाली हवाएं देश की ओर खिंच नहीं पा रही है. इससे इस साल मानसून कमजोर पड गया है. अभी यह स्थिति सक्रिय हो गई है. मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि कोंकण में आने के बाद रविवार 7 जून तक मानसून मुंबई पहुंच जाएगा. लेकिन अब अगले चार दिनों के अनुमान के अनुसार 13 जून तक मुंबई में बारिश की कोई संभावना नहीं है. 14 जून के बाद दो-तीन दिन तक छिटपुट बारिश का अनुमान है.

कोंकण में भी छिटपुट बारिश का अनुमान है. पश्चिमी महाराष्ट्र, उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ के कुछ हिस्सों को बारिश के लिए इंतजार करना होगा. जबकि 7 जून की बारिश की संभावना से किसानों ने बुवाई की तैयारी कर रखी थी. लेकिन बारिश का आगमन नहीं होने से किसान परेशान है.

**किसानों में मायूसी**

जिले में मानसून ऐसा रूठ गया है कि वर्षा होने का नाम ही नहीं ले रही है. इसके कारण जिले किसानों के माथे पर पसीना निकल रहा है. प्रमुख फसल सोयाबीन नहीं लगने से किसान परेशान है. किसानों को समझ में नहीं आ रहा है कि आरिवर सोयाबीन की फसल नहीं होगी, तो साल भर परिवार के खाने-पीने का क्या होगा. किसानों का कहना है कि पिछले साल औसत से अधिक बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया था.

**तापमान और बढ़ेगा**

अंतरराष्ट्रीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि एल-नीनो सक्रिय हो गया है. जून महीने के डेटा के अनुसार एल-नीनो इंडेक्स अभी 0.81 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, यह 0.80 डिग्री सेल्सियस के मिनिमम स्तर से ऊपर है. यह तापमान धीरे-धीरे बढेगा. इसके असर से प्रशांत महासागर के पृष्ठभाग के पानी का तापमान बढ़ेगा. इससे देश में मानसून कमजोर होगा, कुछ जगहों पर सूखा और कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है. जागतिक मौसम विभाग के अनुसार चिंता की बात यह है कि एल-नीनो जून से अगस्त तक एक्टिव रहेगा और सितंबर में इसका असर और तेज हो जाएगा, यह जानकारी देते हुए स्थानीय मौसम विशेषज्ञों ने बुवाई कार्यों में जल्दबाजी न करने की अपील किसानों से की है.

# मराठी स्कूलों में ही अपने बच्चों को दिलाएं प्रवेश

## शिक्षा विभाग ने की पालकों से आवाहन

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

**अमरावती, 14 जून** - जिला परिषद की ओर से संचालित स्कूलें भी निजी स्कूलों से कम नहीं हैं. इन्हीं सरकारी स्कूलों ने जिला व महाराष्ट्र को अनेक अधिकारी, डॉक्टर, वैज्ञानिक, लेखक और समाज सुधारक दिए हैं, इसलिए नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ अभिभावकों से अपने बच्चों को जिला परिषद की मराठी माध्यम स्कूलों में प्रवेश कराने का आवाहन शिक्षा विभाग ने किया है. जिप की स्कूलों में प्रशिक्षित और योग्य शिक्षक, मातृभाषा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल कक्षाएं, कम्प्यूटर शिक्षा, खेल सुविधाएं तथा विभिन्न शैक्षणिक योजनाएं उपलब्ध है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा को महत्व देती है. मराठी माध्यम से पढने वाले बच्चों की समझ, आत्मविश्वास और रचनात्मकता बेहतर विकसित होती है. साथ ही वे अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुडे रहते है. अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने आसपास की जिला परिषद स्कूलों का निरीक्षण करें, शिक्षकों से संवाद करें और फिर बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें. मराठी स्कूलों को मजबूत बनाना मराठी भाषा, संस्कृति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया है.

# शक्तिपीठों की बजाय ज्ञानपीठों को जोड़ने वाले मार्ग बनें

## शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही, विकास की वर्तमान अवधारणा पर उठाए सवाल

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

**अचलपुर, 14 जून**- शक्तिपीठों को जोड़ने वाले मार्गों का निर्माण महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक प्रत्येक विद्यार्थी को विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय तक पहुंचाने वाले मार्ग तैयार करना है. इस आशय का प्रतिपादन करते हुए अचलपुर नगर परिषद की पूर्व शिक्षा सभापति दीपाली मनीष विधले ने कहा है कि देश के विकास का वास्तविक आधार शिक्षा है और सरकारों को धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी समान रूप से निवेश करना चाहिए.

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए अपनी बात रखते हुए पूर्व नप सभापति दीपाली विधले ने विकास की वर्तमान अवधारणा पर प्रश्न उठाए. उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े सड़क प्रकल्प, धार्मिक पर्यटन और भव्य निर्माण कार्य विकास का एक हिस्सा हो सकते हैं, लेकिन यदि गांवों में गुणवत्तापूर्ण स्कूल, पुस्तकालय,

प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, तो विकास अधूरा माना जाएगा. उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई खर्च नहीं, बल्कि भविष्य के लिए सबसे बड़ी पूंजीगत निवेश है. एक सड़क यात्रा को छोटा कर सकती है, लेकिन एक अच्छी शिक्षा पीढ़ियों का भविष्य बदल सकती है. इसलिए शिक्षा को नीति निर्माण और विकास योजनाओं के केंद्र में रखा जाना चाहिए.

पूर्व नप सभापति दीपाली विधले ने कहा कि श्रद्धा और धार्मिक आस्था का सम्मान होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और ज्ञान सृजन को भी सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए. उन्होंने चिंता जताई कि आज भी अनेक विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उच्च शिक्षण संस्थानों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उन्होंने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया. उनका कहना था कि बढ़ते कंक्रीटीकरण, जलवायु परिवर्तन और गर्मी की तीव्र लहरों को देखते हुए विकास योजनाओं में पर्यावरणीय संरक्षण और जीवन गुणवत्ता को भी महत्व दिया जाना चाहिए.

पूर्व नप सभापति दीपाली विधले ने कहा कि प्रत्येक बंद होने वाला स्कूल किसी गांव के भविष्य को कमजोर करता है और प्रत्येक खाली पुस्तकालय किसी बच्चे के अधूरे सपनों का प्रतीक है. उन्होंने समाज और नीति निमार्ताओं से यह आत्ममंथन करने का आह्वान किया कि क्या प्रत्येक गांव में अच्छी स्कूल व्यवस्था है, क्या हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध है और क्या हर युवा को विश्वविद्यालय तक पहुंचने का समान अवसर मिल रहा है. उन्होंने कहा कि मंदिर व्यक्ति को अध्यात्म प्रदान करते हैं, जबकि शिक्षा उसे आत्मसम्मान, रोजगार और समाज परिवर्तन की शक्ति देती है. राष्ट्र का वास्तविक वैभव भव्य इमारतों में नहीं, बल्कि कक्षाओं में बैठकर भविष्य के सपने देखने वाले विद्यार्थियों में निहित है.